राजधानी में झमाझम बारिश, पानी-ट्रेफिक जाम में फंसे लोग

राजधानी जयपुर में गुरूवार शाम करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश का दौर चला, इस दौरान एम.आई.रोड, परकोटा, सीकर रोड, मानसरोवर, झोटवाड़ा रोड समेत कई प्रमुख मार्गों की सड़कें दरिया बनकर बहती नजर आयी। मानसून से पहले नगर निगम प्रशासन ने नालों की सफाई के जो दावे किए थे, वो सिर्फ एक घंटे में ही फेल होते नजर आए। बारिश की तेज बौछारों से सड़कों पर देखते ही देखते पानी भर गया और राहगीरो और वाहनचालकों को आवाजाही में परेशानी होने लगी। हालांकि बारिश के कारण शहर में पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से हल्की राहत मिली है, लेकिन लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना शाम को सड़कों पर लगे ट्रेफिक जाम के कारण हुई। नारायण सिंह सर्किल और जे.एल.एन. रोड स्थित त्रिमूर्ति सर्किल पर तो कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हर तरफ दुपहिया और चौपहिया वाहन चालक थे, जो अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जद्दोजहद करते दिखे। मौसम विभाग के मुताबिक जयपुर में शाम साढ़े 8 बजे तक एक इंच से ज्यादा (28.8 मि.मी.) बारिश दर्ज की गई। फोटो-राष्ट्रदूत

जल्द ही जयपुर से अंतरराष्ट्रीय फ्लाइटें बढ़ाई जाएंगी : बोहरा

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर जयपुर सांसद रामचरण बोहरा की अध्यक्षता में हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। जिसमें यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही सांसद बोहरा ने एयरपोर्ट पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। सांसद बोहरा ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में जयपुर एयरपोर्ट का बेहतरीन विकास हुआ है जहां 2014 में एयरपोर्ट से 28 फ्लाइट प्रतिदिन संचालित होती थी वही आज 74 फ्लाइट प्रतिदिन संचालित हो रही है। 61.82 करोड़ की लागत से एयरपोर्ट के टर्मिनल टी-1 के नवनिर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है जल्द ही यह टर्मिनल यात्रियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही जयपुर से उड़ने वाली अंतरराष्ट्रीय फ्लाईटों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।

सांसद बोहरा ने ज्वेलर्स को सामान आयात एवं निर्यात करने में आ रही समस्या के विषय में भी विस्तार से चर्चा की और जल्द ही इसका समाधान निकालने के निर्देश दिए। सांसद बोहरा ने एयरपोर्ट के अधिकारियों को एयरपोर्ट पर ग्रीनरी डेवलप करने के लिए भी कहा। इस दौरान जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विष्णु झा, राजस्थान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष के.एल. जैन, श्री राजपूत सभा के प्रदेशाध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, फोर्टी के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डीपी खंडेलवाल एयरपोर्ट के अन्य अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

23 साल से वेतन के इंतजार में 1558 परिवार

जयपुर। चेहरों पर उदासी और परिवार की दुर्दशा देखकर खून के आंसू रोते कार्मिक, वेतन के इंतजार में सैकडों लोग फाकाकशी में जीवन बिता रहे हैं तो सैंकडो परिवारों में बच्चों की शादी भी नहीं हो पा रही। इसके अलावा सैंकडो श्रमिक अब गंभीर बीमारियों से जुझ रहे है लेकिन उनका इलाज भी नहीं हो पा रहा है। कुछ ऐसे ही हाल है वर्ष 2000 में प्रबन्धन और सरकारी लापरवाही का शिकार हुए जयपुर मैटल्स के परिवारों के। जयपुर मैटल्स को बंद करने के बाद बिना कोई सेवा परिलाभ दिए घर भेजे गए 1558 परिवारों में सैंकडो लोग वेतन तथा सेवा परिलाभ के इंतजार में अपना जीवन त्याग चुके है तो दर्जनों लोग गरीबी और बेरोजगारी से तंग आकर मौत को गले लगा चुके है। इसके बाद भी अब तक इन परिवारों की सुध लेने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए है।

- **कर्मचारी नेताओं ने जयपुर मैटल्स की जमीनों की नीलामी कर उससे मिली आय को कर्मचारियों को दिए जाने की मांग भी की है**

सरकार की बेरुखी के बाद भी अब तक वेतन तथा सेवा परिलाभ दिलाए जाने की मांग को लेकर ये श्रमिक आंदोलन का झंडा उठाए हुए हैं और आए दिन सरकार के समक्ष गुहार लगा रहे है।

इसको लेकर राजधानी में गुरूवार को प्रेसवार्ता कर जयपुर मैटल्स पीडित संघर्ष समिति के संयोजक दिलीप व्यास व राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र तांबी, सामाजिक चिंतक केबी शर्मा ने बताया कि यह मार्मिक पीडा और मानव समाज की वेदना है। इस आंदोलन को एक दर्जन से अधिक संगठनों ने समर्थन देने की घोषणा की है और अब ये कार्मिक अपने हक के लिए जयपुर से लेकर दिल्ली में राष्ट्रपति के समक्ष भी गुहार लगाएंगे।

'कैलाश मेघवाल ने राजनीति में एससी समाज के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दिया'

भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने पूर्व विधानसभाध्यक्ष द्वारा भाजपा नेताओं पर लगाये आरोपों का जवाब दिया

जयपुर। भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा से निलंबित वरिष्ठ विधायक पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल द्वारा केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सहित सभी भाजपा नेताओं पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल की निंदा की।

एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि अर्जुनराम मेघवाल ने अपना पूरा जीवन जनहित में लगा दिया, और आज भी वे लोकसभा में गरीब, वंचित और किसानों की आवाज उठाते हैं। हम सभी ऐसे ईमानदार नेता को मार्गदर्शक मानकर उनकी प्रेरणा से भाजपा में काम करते हैं। कैलाश मेघवाल को भाजपा ने प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है, उनके द्वारा दिये गये सभी बयान कांग्रेस प्रायोजित हो सकते हैं। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पूर्व विधायक कैलाश मेघवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, गुलाबचंद कटारिया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं जो कि स्पष्ट रूप से किसी के बहकावे में आकर और पूर्वाग्रह से ग्रस्त मालूम पड़ते हैं। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल का यह स्वभाव रहा है कि उन्होंने बार-बार पार्टी के नेताओं पर आरोप लगाए हैं इसलिए उनकी बात को कोई गंभीरता से नहीं लेता। यह उनकी आदत है और वे नहीं चाहते कि अनुसूचित जाति का कोई नेता आगे बढ़े। उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में एससी के किसी भी नेता को आगे नहीं बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आज अर्जुन राम मेघवाल की साफ छवि का वर्णन पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने भी किया है। देश के ईमानदार नेताओं की सूची में आज अर्जुन राम मेघवाल का नाम शुमार है। अर्जुन राम मेघवाल जब बाड़मेर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर के पद पर रहते हुए कार्य किया, और इस दौरान उन पर एक भी शिकायत दर्ज नहीं हुई। उनके आईएएस बनने पर भी वे सवाल उठा रहे हैं लेकिन कैलाश मेघवाल को यह जानकारी होनी चाहिए कि अर्जुनराम अपनी बुद्धिमत्ता व योग्यता से यूपीएससी जैसी संवैधानिक संस्थान से इस पद पर साक्षात्कार के माध्यम से चयनित हुए हैं। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर देश के पहले कानून मंत्री थे, उनके बाद यह सौभाग्य अर्जुनराम मेघवाल को मिला है।

- **'अर्जुनराम मेघवाल की तारीफ तो पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने भी की, उनके ऊपर आरोप निंदनीय'**

सीएम के खिलाफ पेश पीआईएल खारिज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि कोर्ट ऐसी कोई कमेटी गठित या गाइड लाइन जारी नहीं कर सकता, जिससे यह तय किया जा सके कि कौनसा कृत्य न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। वहीं अदालत ने यह भी कहा कि वह किसी को माफीनामा पेश करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। इसके साथ ही जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि समान बिंदु पर एक अन्य याचिका पहले से ही अदालत में लंबित चल रही है। जनहित याचिका मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से न्यायपालिका पर बयानबाजी को लेकर दायर की गई थी। कुणाल शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा था कि सीएम गहलोत ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और वकीलों के लिए बयानबाजी कर न्यायपालिका की गरिमा को अपमानित किया है।

कांग्रेस प्रोटोकॉल समिति की बैठक

जयपुर, (का.प्र.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा आगामी राज्य चुनाव के लिए गठित प्रोटोकॉल समिति की मीटिंग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वार रूम में अध्यक्ष प्रमोद जैन भाया की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में सदस्य टीकाराम जूली, मुमताज मसीह, रफीक खान, पुष्पेंद्र भारद्वाज, नसीम अख्तर इंसाफ, रघुवीर सिंह राठौड़ शामिल हुए।

5600 गैंग का सदस्य बताकर क्यों रखा अवैध हिरासत में : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, एसीएस गृह, डीजीपी, एडीजी मानव तस्करी निरोधक यूनिट और करणी विहार थानाधिकारी को नोटिस जारी कर पूछा है कि याचिकाकर्ता को 5600 गैंग का सदस्य बताकर अवैध हिरासत में क्यों रखा गया। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश अक्षय चौधरी की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मामले में इन अधिकारियों से पूछा है कि क्यों ना मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया जाए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. मिथिलेश कुमार और योगेश कुमार ने अदालत को बताया कि गत 22 अगस्त को याचिकाकर्ता का महिपाल, देवा, सन्नी कुमार और खेम सिंह सहित आठ लोगों ने करणी विहार थाना इलाके से अपहरण कर लिया था। इस दौरान याचिकाकर्ता के पास पांच लाख रुपए की नकदी और सोने की चेन आदि भी थी। अपहरण के बाद राजस्थान पुलिस के सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी दी गई। जिसके जवाब में राजस्थान पुलिस ने जयपुर पुलिस को टैग करते हुए मामला देखने को कहा। याचिका में कहा गया कि बाद में उसे मिलीभगत कर करणी विहार थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

"डोल का बाढ़" में पेड़ काटकर फिनटेक पार्क बनाने पर अड़ा हुआ है रीको प्रशासन

रीको प्रशासन का कहना है कि यह वन भूमि नहीं, इसका अधिकार रीको के पास है, इसे उद्योग स्थापित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से दो केसों में जीता गया था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । "डोल का बाढ़" में करीब 166 बीघा जमीन पर उगे 2500 से ज्यादा हरे-भरे पेड़ों को काटकर रीको प्रशासन फिनटेक पार्क बनाने पर अड़ा हुआ है। दरअसल इन पेड़ों को बचाने के लिए पिछले करीब 2 वर्ष से वनप्रेमियों का आंदोलन चल रहा है, इसके बावजूद अधिकारी तानाशाही रवैया अपनाते हुए जमीन खोदकर औद्योगिक निर्माण कार्य करने में जुटे हुए है। जहां अधिकारी इस जमीन को रीको की भूमि बताकर औद्योगिकीकरण की आड़ में पेड़ों को काटने की जिम्मेदारी से बचना चाह रहे हैं, वहीं आंदोलन की अगुवाई कर रहे वन्यप्रेमी 2500 पेड़ों की कटाई और यहां रहने वाले कई प्रजातियों के पक्षियों को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इनका कहना है कि फिनटेक पार्क में 85 प्रतिशत जगह सीमेंट-कंक्रीट के जाल से ढक दी जायेगी। सीवरेज, पानी व बिजली की लाइनों के पाइप और 47 मीटर तक की इमारतें और सड़कें बनेंगे, जो कि इन पेड़ों को नष्ट कर देंगी।

"सेव डोल का बाढ़" आंदोलन से जुड़ी मिताली देसाई, शीना चौधरी, अभिषेक, विजेन्द्र शेखावत और कविता श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (रीको) प्रशासन यहां औद्योगिक पार्क बनाने के लिए अलग-अलग तरह के तर्क दे रहा है। रीको के अधिकारी कह रहे हैं कि "डोल का बाढ़" वन भूमि नहीं है, बल्कि इसका मालिकाना हक रीको प्रशासन के पास है। यहां पर उद्योग स्थापित करने के लिए विभाग ने सुप्रीम कोर्ट से यह भूमि दो केसों में जीती थी। इसके अलावा रीको प्रशासन का कहना है कि "डोल का बाढ" में विशेष प्रजाति के पक्षी और जानवर नहीं है और मौजूदा पेड़ों को भी पुनः लगाया जायेगा, हालांकि ये अधिकांश मौसमी पेड़ हैं, जो जमीन के इस्तेमाल नहीं होने के कारण उग गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2011 के मास्टर प्लान में डोल का बाढ़ की भूमि आवासीय उपयोग के लिए की गई थी, बाद में वर्ष 2017 में इसे बदलकर जयपुर विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक कर दिया। रीको प्रशासन कह रहा है कि फिनटेक पार्क बजट घोषणा थी, जो कि लाभकारी प्रोजेक्ट है।

बताया जा रहा है कि "सेव डोल का बाढ़" आंदोलन की शुरूआत जून-2021 में ही हो गई थी, जब 300 निवासियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन कभी भी जमीन के स्वामित्व का विवाद नहीं किया। वर्ष 1979 में जब अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी की गई थी और वर्ष 1984 में जब भूमि अवाप्ति हुई, उस समय से पिछले 44 सालों में डीजीडीसी (जिसे वर्ष 1988 में यह भूमि दी गई थी) ने एमओयू के मुताबिक रत्न और जेम स्टोन औद्योगिक पार्क के रूम में विकसित नहीं किया। उसके बाद रीको ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में करीब 17 वर्ष केस लड़ा और वर्ष 2013 में जब रीको ने भूमि वापस नहीं लिया। उसके बाद 8 वर्ष और लगे कि इस भूमि के साथ क्या करना है। इस अवधि मे 44 वर्ष के लिए कुछ भी घटित नहीं होने के कारण 166 बीघा यह जमीन नैसर्गिक वन बन गया। "सेव डोल का बाढ़" आंदोलन से जुड़ी मिताली देसाई, शीना चौधरी, अभिषेक, विजेन्द्र शेखावत और कविता श्रीवास्तव ने बताया कि यहां पर उगे हुए 2500 पेड़ों की जब वन विशेषज्ञों ने जांच की तो पता लगा कि यहां 30 से ज्यादा प्रजातियो के पेड़ हैं, जिनमें नीम, रोहिडा, खेजड़ी जैसे 60 प्रकार की जड़ी बूटियां भी शामिल है। इसी तरह पक्षी विज्ञानियों ने भी स्वीकारा कि 13 दुर्लभ और प्रवासी पक्षी हैं, जो खतरे में हैं। इनमें अलेक्जंड्राइन पैरोकीट, गुलाबी गौरा मिना, कम बैली गला, स्काईज वार्बलर, ट्री पिपिट, ब्लैक रेड स्टार्ट, कॉमन चिफ चिफ, सेसी स्टारलिंग, रेड ब्रेस्टेड फ्लाई कैचर और जैबोबिल कुकू शामिल है।

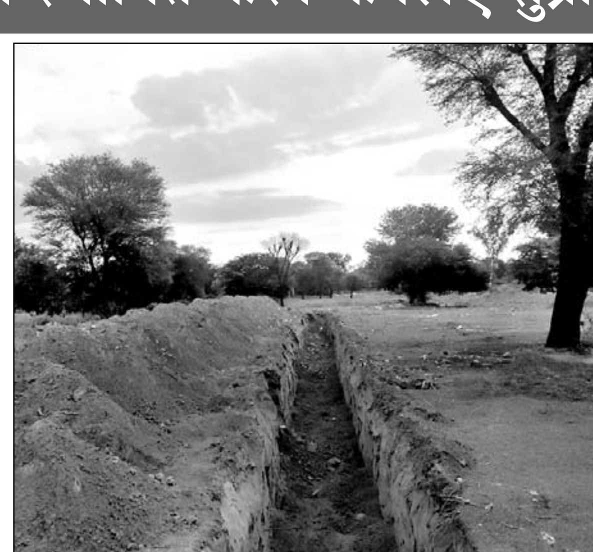

डोल का बाढ़ में फिनटेक पार्क बनाने के लिए रीको प्रशासन द्वारा जमीन में खुदाई कर सीमेंट के बड़े-बड़े ब्लॉक लगाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। यहां उगे हुए 2500 पेड़ों को बचाने के लिए वन्य प्रेमियों ने इन सीमेंटेड ब्लॉक्स पर भी 'सेव ट्री' जैसे संदेश लिखकर और विरोध प्रदर्शन करने में जुटे हुए है।

- **"डोल का बाढ़" में विशेष प्रजाति के पक्षी और जड़ी-बूटियों के पेड़-पौधे होने की बात से भी मुकरे अधिकारी**
- **वन्यप्रेमियों का कहना है कि फिनटेक पार्क में 85 प्रतिशत जगह सीमेंट-कंक्रीट से ढक दी जायेगी। सीवरेज, पानी व बिजली की लाइनों के पाइप और 47 मीटर तक की इमारतें और सड़कें बनेंगे, जो कि इन पेड़ों को नष्ट कर देंगी।**

शिक्षकों को किया सम्मानित

जयपुर, (का.सं.)। इनर व्हील क्लब ऑफ दिल्ली नॉर्थ, जिला 301 की अध्यक्ष, मधु लता गुप्ता ने अपने क्लब की वरिष्ठ पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय इनरव्हील अध्यक्ष अनीता अग्रवाल और क्लब के अन्य सदस्यों के साथ गांव तेहरकी, पलवल सोहना रोड, जिला हरियाणा का दौरा किया और स्कूल राजकीय माध्यमिक विद्यालय तहरकी में शिक्षक दिवस मनाया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष में विद्यालय के 9 शिक्षकों को प्रमाण पत्र, फूल, चादरें प्रदान की। चूंकि शिक्षा एक शक्तिशाली उपकरण है जो गरीबी के चक्र को तोड़ सकती है और व्यक्तियों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए सशक्त बना सकती है इसिलिये अध्यक्ष मधु लता ने सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियो को 96 सेट स्टेशनरी के वितरित किये। बुनियादी शैक्षिक आपूर्ति प्रदान करके, हम इन बच्चों की बाधाओं को दूर करने, उनके सीखने के अनुभव को बढ़ाने और उनके समग्र कल्याण में सुधार करने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमने बच्चों को 11 किलो बूंदी के लड्डू बांटे। प्रधान मधु लता गुप्ता ने गांव के ग्राम सभा सदस्यों को फूल और शर्ट देकर सम्मानित किया। साथ ही गांव तेहरकी, पलवल सोहना रोड के स्कूल में पर्यावरण सहायक और रसोई की देखभाल करने वालों को 10 छाते भी उपहार में दिए। इनर व्हील क्लब ऑफ दिल्ली नॉर्थ की अध्यक्ष मधु लता गुप्ता ने छात्रों, शिक्षकों और ग्रामीणों को सशक्त बनाने के लिए वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत करते हुए 45 अमरूद, 8 अनार, 25 मौसमी, 20 नींबू और 10 आम के 108 पौधे उनके परिवारों को दिए।

ये 1082 परिवार के सदस्य इन फलदार पौधों की देखभाल करेंगे और पेड़ों के फलों का लुत्फ उठाएंगे। बच्चों को वृक्षारोपण अभियान में शामिल करने से उनमें स्वामित्व और शक्ति की भावना आती है। इस गहन अनुभव के माध्यम से, वे इस बारे में और अधिक सीखते हैं कि पारिस्थितिक तंत्र कैसे काम करते हैं और दुनिया को स्वस्थ रखने के लिए पेड़ क्या करते। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष मधु लता गुप्ता इस प्रकार की सामाजिक सेवा जारी रखेंगी।

सिद्धार्थ नगर में बदमाशों ने की कारों में तोड़फोड़

जयपुर । राजधानी के जवाहर सर्किल इलाके के सिद्धार्थ नगर में बुधवार रात 15 से 20 बदमाशों ने लाठी और डंडों से घर के बाहर खड़ी एक दर्जन से अधिक कारों के शीशे तोड़ दिए। बदमाशों ने कॉलोनी में खड़ी एक बस में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने घरों पर पत्थर फेंके, जिससे कई लोगों की खिड़की के कांच टूट गए। इससे पहले गली में बिजली के पोल पर लगी लाइटें तोड़ डाली। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गए। कॉलोनी के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रुम पर दी। इसके एक घंटे बाद मौके पर पुलिस पहुंची। कॉलोनी और घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में बदमाश गाड़ियों में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में राजेश गुप्ता, मुनीम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, विजय देव व रामगोपाल बैरवा सहित अन्य ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि बुधवार रात करीब सवा बारह बजे सिद्धार्थ नगर डी ब्लॉक कॉलोनी में 15 से 20 बदमाश पैदल घुसे और घर के बाहर खड़े 12 वाहनों और बस में तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों ने कुछ घरों पर पत्थर भी फेंके जिससे खिड़की के कांच टूट गए। इसके साथ ही बदमाशों ने कॉलोनी में लगी बिजली के पोल की लाइटें भी तोड़ दी।

कॉलोनी के लोगों का कहना है कि कार का कांच तोड़ने की आवाज हुई तो लोग घरों से बाहर निकल आए। बदमाशों ने करीब 12 से 14 गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि पुलिस कंट्रोल रुम फोन किया, लेकिन वह बिजी बताता रहा। काफी कोशिशों के बाद फोन लगा तो पूरी बात बताई तो उन्होंने कहा कि पुलिस आ रही है अभी। हैरानी की बात यह है कि एक घंटा निकल जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंच पाई थी। महज कुछ मिनटों की दूरी तय करने में पुलिस को एक घंटे से भी ज्यादा समय लग गया।